प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
02.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

किसान सम्मान निधि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज उत्तर प्रदेश केवाराणसी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान देशभर के 9 करोड 70 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे 20 हजार 5 सौ करोड़ से अधिक की राशि हस्तांतरित की जाएगी। इससे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत कुल वितरण 3 लाख 90 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री 2 हजार 2 सौ करोड़ रुपये की 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। इस अवसर पर वे जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान कल केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकत कर प्रदेश हाल ही में आई आपदा की स्थिति से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों को बसाने के लिए राज्य सरकार को वन भूमि व आवश्यक छूट दिए जाने का आग्रह किया ताकि पुर्नवास के तहत वन भूमि में एक–एक बीघा जमीन आबंटित की जा सके। उन्होंने कहा कि इस दौरान वन भूमि पर लगे सेब के बागीचों के संदर्भ में भी विस्तार से चर्चा हुई।

फॉरेस्ट मिनिस्टर साहब से मिलकर आया और हिमाचल में जो आपदा आई है मैंने उनसे अनुरोध किया कि जो आपदा प्रभावित परिवार है उनके जिनकी जमीन इस आपदा में बह गई है उन आपदा प्रभावित परिवारों के लिए घर बनाने के लिए बंद अधिनियम जो नियम है उसमें छोड़ दी जाए और एक बीघा तक फॉरेस्ट लैंड उनको अलाउड करने की बात कही है जिसका सार्थक उत्तर माननीय मंत्री जी ने दिया और कुछ हमारे जो फॉरेस्ट में जो बगीचे लगे हैं उसके संदर्भ में मैंने उनसे बात की तो हिंदी कहा कि हम इसको सानू भूत भी पूर्वक विचार करेंगे और दूसरा अपने नदियों की ड्रेसिंग की भी बात की है उन्होंने कहा कि हम सब मामले को गंभीरता से लेते हैं

सुखविंद्र

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कल से चंम्बा जिला के दो दिवसीय दौरे पर रहेगें। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री इस अवसर पर विभिन विकासात्मक परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगें एंव जन समस्याओं को सुनेंगे। उन्होंने कहा इस दौरान वे अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेला के समापन समारोह की अध्यक्षता भी करेंगे।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मॉनसून की वर्षा का क्रम रूक–रूक कर जारी है। प्रदेश में भारी वर्षा व भूस्खलन से राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 2 सौ 80 से अधिक सड़कें यातायात के लिए अवरूद्ध हैं, जबकि 3 सौ 14 बिजली के ट्रांसफार्मर और दो सौ 21 पेयजल योजनाएं भी ठप्प हैं। ऊना जिला में भारी बारिश व भूस्खलन के कारण सभी शिक्षण संस्थान आज बंद है। दूसरी ओर कुल्लू जिला में भारी वर्षा से नदियों नालों के जलस्तर में भारी वृद्धि हुई हैं। जिसके चलते सड़कें, मार्ग, पुल और आधारभूत ढांचे क्षतिग्रस्त हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार पार्वती घाटी में लगातार बारिश और अचानक आई बाढ़ से मलाणा एक जल विद्युत परियोजना द्वारा बनाया गया कॉपर दम आंशिक रूप से टूट गया है यह पार्वती नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है और आसपास के क्षेत्र में खतरा और अधिक बढ़ गया है कुल्लू जिला प्रशासन द्वारा लोगों से सतर्क रहने और नदी नालों व भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की गई है सीमा सड़क संगठन ब्रो द्वारा सड़क बहाली का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में अब तक बादल फटने की 28 फ्लैशलाइट की 47 और भूस्खलन की 42 घटनाएं हो चुकी है

मंडी कुल्लू मार्ग पर पंडोह डैम के पास भूस्खलन के कारण बंद हुए चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे को यातायात के लिए खोल दिया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने चम्बा, कुल्लू, ऊना, कांगड़ा, बिलासपुर, मंडी और हमीरपुर जिलों में आज तेज वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है।

वोकल फॉर लोकल

भारत सरकार के नीति आयोग के निर्देशानुसार वोकल फॉर लोकल पहल के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने के लिए आकांक्षा हाट कार्यक्रम चलाया गया है। चम्बा के ऐतिहासिक चौगान मैदान में भी इसके तहत स्वयं सहायता समूहों को स्टाल मुहैया करवाए गए हैं। इन स्टालों में स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को उनके उत्पादों को रखने का मौका दिया गया है ताकि वे इन उत्पादों को बिक्री कर अपनी आजीविका कमा सकें। इन स्टालों का उद्घाटन राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने किया था। इस अवसर पर विभिन्न उत्पाद लेकर पहुंचे स्थानीय कारीगरों व स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने नीति आयोग का आभार जताया।

भारत सरकार द्वारा चलाया गया यह एक प्रोग्राम है जो आकांक्षा नाम है इसका जो हमारे एक लोकल उत्पाद है उसको सेल करने का एक मौका दिया गया है भारत सरकार का धन्यवाद करता है जिन्होंने हमें एक मौका दिया है ओर रोजगार के नए अवसर पर मिले है ओर हमारे इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर पहचान दिलाने की कोशिश की है ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक प्रोजेक्ट चलाया हुआ है भारत सरकार ने हमें आकांक्षा के थरू हमें यह स्टॉल दिए हुए हैं जिसमें हमने अपने प्रोडेक्ट लगाए हुए है इससे पहले हम इस लोकल में बेचते थे लेकिन इस बार सरकार ने हमें यह मौका दिया मिंजर मेले में हमें यह स्टाल दिए है जिसमें हमें अपने प्रोक्टस बेचने है हम सरकार के बहुत शुक्रगुजार है। जिसने हमें यह मौका दिया है।

————————————